चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	11.03.23	2	2-6

किसानों से किया प्राकृतिक खेती करने का आह्वान, प्रदेश में 15 मार्च से शुरू की जाएगी सरसों की खरीद

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने किया किसान मेले का शुभारंभ

- लाखों एकड़ सेमग्रस्त भूमि को बनाया जाएगा कृषि योग्य: कृषि मंत्री

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहा है कि खेती को किसी भी कीमत पर घाटे का सौदा नहीं बनने दिया जाएगा। हरियाणा में लाखों एकड़ सेमग्रस्त भूमि को कृषि योग्य बनाया जाएगा, इसके लिए 1200 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। वहीं दूसरी ओर मानसून के दौरान खेतों में जमा होने वाले वाले पानी की निकासी कर जोहड़ों व ड्रेनों में डाला जा रहा है ताकि खेतों में बाढ़ की स्थिति न बने और किसान की फसल बर्बाद न हो। इसी प्रकार नए-नए उत्तम किस्म के बीज व खाद किसानों को मुहैया करवाए जा रहे हैं। फसल व मुआवजे का पैसा किसानों के खाते में सीधा डाला जा रहा है। किसान की भरपाई के लिए ही भावांतर भरपाई योजना शुरू की है। 15 मार्च से एमएसपी पर सरसों की खरीद शुरू हो जाएगी, जिसके लिए हैकेड को निर्देश दे दिए गए हैं ताकि सरसों के भाव में आ रही गिरावट को रोका जा सके। उन्होंने किसानों से मोटे अनाज के साथ-साथ प्राकृतिक व गाय के गोबर से बनी खाद पर आधारित खेती करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश का किसान व आमजन ही असली मालिक है, चुने हुए प्रतिनिधि व अधिकारी जनता के सेवक हैं।

कृषि मंत्री जेपी दलाल शुक्रवार को चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मेले में प्रतिदिन ड्रा निकाले जाएंगे, जिसमें कुल 297 प्रगतिशील किसानों को एक करोड़ 60 लाख रुपए के पुरस्कार दिए जाएंगे। इस दौरान कृषि मंत्री श्री दलाल, राज्यसभा सांसद डीपी वत्स और कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा व कृषि विभाग के महानिदेशक डॉ एनएच बांगड़ ने तीन ड्रा निकाले और विजेता किसानों को मिनी ट्रैक्टर व कृषि उपकरण भेंट किए।

कृषि मंत्री दलाल ने कहा कि दादरी में भी 11 से 13 मार्च तक राज्य स्तरीय पशु मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें उत्तम नस्ल के पशु देखने को मिलेंगे। मेले में 60 लाख रुपए से भी अधिक के इनाम दिए जाएंगे। मेल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल पशुपालकों का हौसला बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि किसानों व पशुपालकों से अधिक से अधिक संख्या में पशु मेले में शामिल होने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य सभा सांसद डॉ डीपी वत्स ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत देश निरंतर नई ऊंचाई छू रहा है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बीआर कंबोज ने कहा कि उनका प्रयास है खेती में विश्व स्तर पर होने वाली नई खोज को किसानों तक पहुंचाया जाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	11.03.23	4	1-6

कृषि विकास मेला शुरू

किसानों ने ली नवीनतम खाद-बीज व संयंत्रों की जानकारी

» मेले में दिखाई गई 10 प्रकार के मोटे अनाज की किस्में

हिसार, 10 मार्च (राठी): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 3 दिवसीय कृषि विकास मेला किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। मेले के पहले दिन हजारों की संख्या में किसान पहुंचे और यहां लगाई गई स्टॉलों पर नए-नए कृषि उपकरणों के साथ-साथ खाद-बीज व पौध की जानकारी ली। प्रत्येक स्टॉल पर किसानों की भीड़ लगी दिखाई दी। मेले में कृषि एवं पशुपालन मंत्री जे.पी. दलाल ने अवलोकन किया।

कृषि विकास मेले में उद्योग विभाग, कृषि विभाग, बागवानी विभाग, हरियाणा राज्य सहकारी चीनी मिल, हरहित स्टोर, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल, पशुपालन विभाग, इफको, हैफेड की स्टॉल के अलावा नवीनतम कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले में जानकारी लेने के लिए प्रथम दिन किसानों की खासी भीड़ उमड़ी। कृषि मेले में लगाई गई मोटे अनाज की एक स्टॉल बहुत ही आकर्षण का केंद्र रही। इस स्टॉल पर मोटे अनाज में शामिल बाजरा, कंगनी, जवार, कुटकी, रागी, शामक, कुटू, कोडो, छेना व राजगीर प्रदर्शित किया गया, जिसकी किसानों ने विस्तार जानकारी ली।

इसी प्रकार से इफको द्वारा लगाई गई स्टॉल पर किसानों ने नैनो यूरिया, सागरिका, संतुलित पशु आहार की जानकारी ली। हरियाणा राज्य बागवानी एजैंसी द्वारा लगाई गई स्टॉल पर किसानों ने विभिन्न कीटों की रोकथाम के लिए पर्यावरण के अनुकूल उपाय बताए गए। फाल्कन द्वारा लगाई स्टॉल पर किसानों ने कृषि ने बागवानी व लॉन उपकरण के बारे में जानकारी ली। यहां पर नए-नए उपकरण प्रदर्शित किए गए। किसानों ने मूंगफली, धान, मक्का आदि निकालने की मल्टी क्रॉप थ्रेसर की भी जानकारी हासिल की, जो कि मेले में प्रदर्शित की गई थी।

कृषि विकास मेले में किसानों ने आलू व शिमला मिर्च की उत्तम किस्मों की जानकारी ली। किसानों ने टमाटर बेल की पौध की भी जानकारी ली, जिससे वे अपने खेतों में लगा सकें। कृषि विकास मेले में कीटनाशक

मेले का अवलोकन करते व विजेता को चाबी सौंपते कृषि मंत्री जे.पी.दलाल। साथ हैं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा व अन्य अधिकारी।

ड्रोन के बारे में जानकारी लेते कृषि मंत्री जे.पी. दलाल व अन्य अधिकारी।

साथ प्राचीन कृषि उपकरणों की भी जानकारी हासिल की, जो वर्षों पहले खेती में प्रयोग किए जाते थे। यहां पर एक प्राचीन संस्कृति पर आधारित स्टॉल भी लगाई थी, जिसमें खेती के प्राचीनतम उपकरण प्रदर्शित किए गए थे, स्वयं कृषि मंत्री दलाल व साथ आए अतिथियों ने इस स्टॉल का अवलोकन किया।

इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के महानिदेशक डॉ. एन.एच. बांगड़, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्कीटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक मुकेश आहुजा सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर जिला परिषद के चेयरमैन, भिवानी

प्राकृतिक संसाधनों के दोहन पर चिंता जताई

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने अध्यक्षीय भाषण में कृषि में प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध हो रहे दोहन पर चिंता जताई। साथ ही किसानों को कृषि उत्पादन के साथ इनकी गुणवत्ता सुधारने पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादकों की गुणवत्ता के आधार पर किसान अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इन्हें बेचकर अच्छी आमदनी हासिल कर सकें। कुलपति ने बताया कि 2023 को मोटे अनाज के तौर पर मनाया जा रहा है। इस कड़ी में विश्वविद्यालय ने हाल ही में बाजरे की बायो-फोर्टिफाइड किस्में विकसित की है, जोकि लौह तत्व व जिंक से भरपूर है व आमजन को विभिन्न बीमारियों व

सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते कलाकार।

कलाकारों ने मचाया धमाल

कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के सुप्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से धमाल मचाया। कार्यक्रम में विकास सातरोड़िया और रामकेश जीवनपुरिया ने कृषि विभाग की योजनाओं पर आधारित गीतों की जोरदार प्रस्तुति दी। वहीं महाबीर गुड्डू ने पदमावत के किस्से से हरियाणवी रागनी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में पंजाबी व राजस्थानी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को झूमने पर मजबूर किया।

पारंपरिक ढंग से किया कृषि मंत्री का भव्य स्वागत

कृषि मेले में कृषि मंत्री दलाल का पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया। दामण आदि हरियाणवी वेशभूषा में सज-धज कर आई महिलाओं ने गीत गाकर कृषि मंत्री का भव्य अभिनंदन किया। वहीं बंवारी से आई नगाड़ा पार्टी के कलाकारों ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

इन किसानों के निकले इनाम

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों व कृषि विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों का मुख्य अतिथि सहित अन्य अधिकारियों ने अवलोकन भी किया। अंत में लक्की ड्रा द्वारा 3 किसानों को इनाम दिए गए, जिनमें प्रथम इनाम हिसार के मतलोडा निवासी विरेंद्र सिंह, द्वितीय पुरस्कार सातरोड कलां निवासी सुनील व तृतीय पुरस्कार अम्बाला के गांव भूंड माजरी निवासी मुकेश को मिला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11.03.23	2	1-7

पंजाबी, राजस्थानी व हरियाणवी कार्यक्रम प्रस्तुत कर कलाकारों ने मनमोहा

कृषि मेले में सेल्फी प्वॉइंट और पुराने जमाने के कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी, कलाकारों के साथ भी किसान और अन्य लोग सेल्फी क्लिक कर सोशल मीडिया पर शेयर करते नजर आए

सिटी रिपोर्टर • पंजाबी, राजस्थानी से लेकर हरियाणवी कार्यक्रम प्रस्तुत कर कलाकारों ने शुक्रवार को मनमोह लिया। मौका था एचएयू में चले कृषि विकास मेले के शुभारंभ अवसर का। इस पर मेला पहले से बिल्कुल अलग नजर आ रहा था।

सेल्फी प्वॉइंट के लिए हुक्का पीता किसान, गांव के बच्चे की प्रतिमा, चारपाई रखी हुई थी, जिनके पास बैठकर लोग सेल्फी खींचवा रहे थे। इसके अलावा अलग से पुराने कृषि यंत्रों हल, हुक्के, रथ, डोल, टांगली, ओरणा आदि की प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही, विशेष प्रकार की लकड़ी से निर्मित झोपड़ी बनाई गई थी, जिसके अंदर जाने वालों का पगड़ी बांधकर स्वागत किया जा रहा था।

देर शाम तक रंगारंग कार्यक्रमों का सिलसिला जारी रहा। कलाकारों के साथ भी किसान और अन्य लोग सेल्फी क्लिक कर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए नजर आए।

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 के समीप कृषि मेला ग्राउंड में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 के दौरान पंजाबी लोक डांस की प्रस्तुति देते कलाकार।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 समीप कृषि मेला ग्राउंड में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेले में हरियाणा से जुड़ी पुरानी संस्कृति को लेकर लगाई गई स्टाल को देखती हुई छात्राएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	11.03.23	3	1-4

गेहूं की नई किस्म उत्पादन बढ़ाने वाली, सेहत भी सुधारेगी

चेतन सिंह • हिसार

हरियाणा जैसा छोटा राज्य देश का 16 प्रतिशत अन्न भंडारण करता है। इसमें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभा रहा है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने ऐसी कई किस्में तैयार की हैं जो प्रदेश के किसानों की उन्नत भी बना रही हैं और अन्न का भंडार भी भर रही हैं। एचएयू ने गेहूं के मोटे दाने वाली किस्म-डब्ल्यूएच 1270 किसानों को मालामाल तो करेगी ही साथ ही आमजन की सेहत भी सुधारेगी। एचएयू में आयोजित तीन दिवसीय कृषि मेले में गेहूं की यह किस्म प्रदर्शित की गई।

किसानों का काफी रुझान इस किस्म में देखने को मिला। एचएयू की किस्म डब्ल्यूएच 1270 मार्केट में आ गई है और पिछले वर्ष 700 क्विंटल बीज विश्वविद्यालय ने तैयार किया था जो हाथों-हाथ बिक गया। इस बीज की मांग को देखते हुए 30 कंपनियों ने एचएयू के साथ एमओयू (मेमोरंडम आफ अंडरस्टैंडिंग) साइन किया हुआ है। इस वर्ष पांच हजार क्विंटल बीज तैयार किया गया है, जो किसानों के लिए एचएयू में ही उपलब्ध रहेगा। एचएयू के गेहूं व जौ अनुभाग के विज्ञानी डा. ओपी बिश्नोई ने बताया कि किसानों ने इस किस्म से 75 से 90 मन प्रति एकड़ औसत पैदावार ली है। इस किस्म का दाना मोटा होता है। इसके 1000 दाने का वजन 46 ग्राम तक होता है। इस गेहूं में प्रोटीन, आयरन और जिंक कंटेंट होता है जो पोष्टिकता से भरपूर है। सबसे खास बात है यह है कि इसमें पीला रतुआ नहीं आता। इसके कारण इसमें कैमिकल कम छिड़कने की कम आवश्यकता होती है। सहज डीएपी व अन्य खादों से औसत से ज्यादा पैदावार किसान ले सकते हैं। यह किस्म मैदानी इलाकों जैसे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के तराई वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है।

मेले में गेहूं की फसल दिखाते विज्ञानी डा. ओपी बिश्नोई। • जागरण

डब्ल्यूएच 1270 की विशेषताएं

बाली निकलने की अवधि	92 से 115 दिन
पकने की अवधि	143 से 177 दिन
पौधे की ऊंचाई	88 से 113 सेंटीमीटर
1000 दानों का वजन	46 ग्राम

हमने डब्ल्यूएच 1270 के लिए 30 कंपनियों के साथ एमओयू किया है। पैदावार और रोगप्रतिरोधक क्षमता को देखते हुए इसकी मांग अन्य राज्यों में भी लगातार बढ़ रही है। इसी को देखते हुए एचएयू ने ऐसा इंतजाम किया है कि इस उन्नत किस्म का अब हरियाणा ही नहीं बल्कि देश के अन्य प्रदेशों के किसान भी लाभ ले सकेंगे।

डीआर कम्बोज, कुलपति, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	11.03.23	5	1-4

हरियाणा के किसानों में बढ़ रहा केला उत्पादन का क्रेज

हिसार, 10 मार्च (बैनीवाल): कृषि वैज्ञानिकों के लिए मौसम में आने वाला निरंतर बदलाव चुनौती बन गया है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को मौसम के अनुरूप फसलों के बीज उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य कर रहे है। एच.ए.यू. के कृषि मेले में विभिन्न फसलों की इसी प्रकार की कुछ किस्में वैज्ञानिकों ने किसानों के लिए समक्ष रखी।

वहीं ऑर्गेनिक खेतों को वैज्ञानिक प्राथमिकता दे रहे है। कई फसलों के ऑर्गेनिक खेतों आधारित किस्में वैज्ञानिकों ने तैयार की हैं, जिनका लाभ किसान उठा रहे हैं। अहम बात यह है केला उत्पादपन की दिशा में वैज्ञानिक किसानों को प्रेरित कर रहे हैं और उच्च गुणवत्ता की केले की किस्म एच.ए.यू. के वैज्ञानिकों ने तैयार की है। जो इस वर्ष किसानों को उपलब्ध करवाई जाएगी।

केले का पौधा।

स्टाल पर रखे एच.ए.यू. के ऑर्गेनिक फार्म में तैयार केले।

गेहूं की विभिन्न किस्में।

वैज्ञानिकों ने तोड़ा मिथक

आमतौर पर किसानों में धारणा होती है कि केले का उत्पादन दक्षिणी भारत में होता है। क्योंकि वहां मौसम इस फसल के अनुरूप है। एच.ए.यू. के वैज्ञानिकों ने इस मिथक को तोड़ने का कार्य किया है। एच.ए.यू. के ऑर्गेनिक विभाग ने जी-9 केले की किस्म तैयार की है। जो कृषि मेले में किसानों के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

डा.अनिल पूनिया ने बताया कि एच.ए.यू. के ऑर्गेनिक फार्म पर केले का उत्पादन किया गया और उच्च गुणवत्ता वाला केला तैयार किया गया है। मुख्य रूप से जून जुलाई में केला लगाया जाता है, लेकिन कुछ किसान फरवरी मार्च में केले की पौध लगाते है। उन्होंने बताया कि पानी वाले एरिया में मुख्य रूप से केला लगाया जाता है। केले की फसल एक साल में तैयार होती है। डा. पूनिया ने बताया कि एक केले के पौधे से 20 से 25 किलो केला प्राप्त किया जाता है। हरियाणा में केले को फसल के रूप में लगाने की मांग किसानों में निरंतर बढ़ रही है। वैज्ञानिकों ने बताया कि इस वर्ष 10 से 12 हजार केले की पौध की मांग किसानों की ओर से की गई है, जिसे एच.ए.यू. किसानों को उपलब्ध करवाएगा।

गन्ने की बढ़ रही मांग

गन्ने की ओर किसानों का रुझान पिछले कुछ वर्षों में बढ़ा है। एच.ए.यू. ने भी किसानों को गन्ने की उच्चगुणवता वाली किस्में उपलब्ध करवाने की दिशा में काम किया है। दो किस्में 118 व 89003 किसानों को एच.ए.यू. उपलब्ध करवा रहे है। जिसकी मांग दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। वहीं 3 अन्य किस्मों पर शोध कार्य जारी है। आगामी एक या 2 वर्षों में यह किस्में किसानों को उपलब्ध होने की उम्मीद है। वही गन्ने की 89 नंबर किस्म है, जो पूर्णरूप से ऑर्गेनिक किसानों की मांग के अनुरूप है। गुड़ व शक्कर मुख्य रूप से किसान इस किस्म से बनाते है, जिसकी मांग सबसे ज्यादा है।

वैज्ञानिकों ने बताया कि पिछले वर्ष 3 से 4 लाख पौध किसानों को उपलब्ध करवाई गई थी। इस वर्ष 4 से 5 लाख पौध की मांग किसानों की ओर से आई है, जो उन्हें उपलब्ध करवाई जाएगी। वर्ष में 2 बार मार्च व सितम्बर में गन्ना लगाया जाता है। 3 वर्ष की गन्ने की फसल होती है।

उच्च तापमान में ज्यादा पैदावार देने वाली गेहूं की किस्म बनी पहली पसंद

एच.ए.यू. मेले में गेहूं की कई किस्में किसानों के लिए प्रस्तुत की गई। उच्च तापमान पर ज्यादा पैदावार वाली डब्ल्यू.एच.- 1270 किस्म आकर्षण का केंद्र रही, जबकि पछेती बिजाई वाली डब्ल्यू.एच.-1124 किस्म लोगों में चर्चा का विषय बनी। डा.ओ.पी. बिश्नोई ने बताया कि एच.ए.यू. की 1270 को लेकर 30 कंपनियों के साथ एम.ओ.यू. साइन किया गया है। किसानों को बड़े स्तर पर गेहूं उपलब्ध करवाने का लक्ष्य रखा गया है। इन किस्मों की खास बात यह है कि उच्च तापमान में गेहूं की पैदावार कम नहीं होती है। 75 से 90 मन प्रति एकड़ पैदावार इस किस्म की है। इसकी अगेती बिजाई की जाती है। इसमें पीला रतवा बीमारी नहीं लगती है।

वहीं डा.ओ.पी. बिश्नोई ने बताया कि पछेती बिजाई यानि 25 दिसम्बर तक बिजाई के लिए डब्ल्यू.एच.-1124 किसानों के लिए बेहतर है। इसकी पैदावार 48 से 55 मन प्रति एकड़ होती है। आर्गेनिक खेती करने वाले किसानों की पहली पसंद डब्ल्यू.एच.-1080 किस्म है। इसकी सबसे ज्यादा मांग है। हालांकि इसमें पैदावार 25 से 45 मन प्रति एकड़ होती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	11.03.23	10	4-8

मेले में दस प्रकार के मोटे अनाज की किस्में प्रदर्शित

किसानों ने ली नए खाद-बीज व सयंत्रों की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय कृषि विकास मेला किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। मेले के पहले दिन हजारों की संख्या में किसान पहुंचे और यहां लगाई गई स्टॉलों पर नए-नए कृषि उपकरणों के साथ-साथ खाद-बीज व पौध की जानकारी ली। प्रत्येक स्टॉल पर किसानों की भीड़ लगी दिखाई दी। मेले में कृषि मंत्री जेपी दलाल ने अवलोकन किया। कृषि मेले में उद्योग विभाग, कृषि विभाग, बागवानी विभाग, सहकारी चीनी मिल, हरहित स्टोर, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल, पशुपालन विभाग, इफको, हैफेड की स्टॉल के अलावा नवीनतम कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले में जानकारी लेने के लिए प्रथम दिन किसानों की खासी भीड़ उमड़ी। कृषि मेले में लगाई गई मोटे अनाज की एक स्टॉल बहुत ही आकर्षण का केंद्र रही।

हिसार। कृषि मेले में ड्रोन के बारे में जानकारी लेते कृषि मंत्री जेपी दलाल व अन्य।

इफको ने लगाई नैना यूरिया की स्टॉल

इस स्टॉल पर मोटे अनाज में शामिल बाजरा, कंगनी, जवार, कुटकी, रागी, शामक, कुटू, कोडो, छेना व राजगीर प्रदर्शित किया गया। इफको द्वारा लगाई गई स्टॉल पर किसानों ने नैनो यूरिया, सागरिका, संतुलित पशु आहार की जानकारी ली। हरियाणा राज्य बागवानी एजेंसी द्वारा लगाई गई स्टॉल पर किसानों ने विभिन्न कीटों की रोकथाम के लिए पर्यावरण के अनुकूल उपाय बताए गए। फाल्कन द्वारा लगाई स्टॉल पर किसानों ने कृषि ने बागवानी व लॉन उपकरण के बारे में जानकारी ली। यहां पर नए-नए उपकरण प्रदर्शित किए गए। किसानों ने मूंगफेली, धान, मक्का आदि निकालने की मल्टी क्रॉप थ्रेसर की भी जानकारी हासिल की, जो कि मेले में प्रदर्शित की गई थी। कृषि विकास मेले में किसानों ने आलू व शिमला मिर्च की की उत्तम किस्मों की जानकारी ली। किसानों ने टमाटर बेल की पौध की भी जानकारी ली, जिससे वे अपने खेतों में लगा सकें। कृषि विकास मेले में कीटनाशक के छिडकाव के लिए ड्रोन का भी प्रदर्शन किया गया, जिससे किसानों ने खूब चाव के साथ देखा। इसी प्रकार से किसानों ने आधुनिक कृषि यंत्रों के साथ-साथ प्राचीन कृषि उपकरणों की भी जानकारी हासिल की, जो वर्षों पहले खेती में प्रयोग किए जाते थे। यहां पर एक प्राचीन संस्कृति पर आधारित स्टॉल भी लगाई थी, जिसमें खेती के प्राचीनतम उपकरण प्रदर्शित किए गए थे, स्वयं कृषि मंत्री जेपी दलाल व साथ आए अतिथियों ने इस स्टॉल का अवलोकन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक दिव्य	11.03.23	3	1-2

हकृवि में तीन दिवसीय कृषि मेला शुरू

प्राकृतिक खेती, मोटे अनाज को बढ़ावा देने से रोजगार भी बढ़ेंगे: जेपी दलाल

हिसार, 10 मार्च (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेले के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि हरियाणा एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जहां कृषि क्षेत्र में किसानों को बाकि राज्यों से अधिक सुविधाएं दी जा रही है। नयी योजनाएं लाकर किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का काम सरकार कर रही है, लेकिन वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती खेती में रासायनिक तत्वों व कीटनाशकों का सिफारिश से अधिक छिडकाव करना है, जिससे अनेक प्रकार की बीमारियां हमें घेर रही हैं। इसके लिए मेरी किसानों से अपील है कि वे खेती में गाय के गोबर का इस्तेमाल करें। इसके लिए किसान को डीबीटी के माध्यम से 25 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा में अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल आईएएस डॉ सुमिता मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे, जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने की।

उन्होंने बताया कि सरकार की तरफ से बाजरा, ज्वार व अन्य मिलेट पर भी अधिक ध्यान दिया जा रहा है ताकि इनसे बने स्वादिष्ट व पौष्टिक व्यंजनों का स्वाद आमजन चख सकें और साथ ही उनके स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक हो। डॉ सुमिता मिश्रा ने कहा कि इस मेले में विशेष तौर पर किसानों को ड्रोन, प्राकृतिक खेती व मिलेट फसलों के उत्पादन से जुड़ी तकनीक के बारे में जागरूक किया जाएगा। लक्की ड्रा द्वारा 3 किसानों को इनाम दिए गए, जिनमें प्रथम इनाम हिसार के मतलोडा निवासी विरेंद्र सिंह, द्वितीय पुरस्कार सातरोड कलां निवासी सुनील व तृतीय पुरस्कार अंबाला के गांव भूंड माजरी निवासी मुकेश को मिला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	11.03.23	8	4

प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज को बढ़ावा देने से रोज़गार भी बढ़ेंगे : दलाल

हिसार, 10 मार्च (विरेंद्र वर्मा) : हरियाणा एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जहां कृषि क्षेत्र में किसानों को बाकि राज्यों से अधिक सुविधाएं दी जा रही है। नई योजनाएं लाकर किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का काम सरकार कर रही है। लेकिन वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती खेती में रासायनिक तत्वों व कीटनाशकों का सिफारिश से अधिक छिड़काव करना है, जिससे अनेक प्रकार की बीमारियां हमें घेर रही है। इसके लिए मेरी किसानों से अपील है कि वे खेती में गाय के गोबर का इस्तेमाल करे। इसके लिए किसान को डीबीटी के माध्यम से 25 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह विचार हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहे, जो चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेले में बतौर मुख्यातिथि के रूप में मौजूद थे। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा में अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं कुलपति, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल आईएएस डॉ. सुमिता मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाँच बजे	10.03.2023	-------	--------

प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज को बढ़ावा देने से रोजगार भी बढ़ेंगे : कृषि मंत्री

पांच बजे न्यूज

चंडीगढ़। हरियाणा एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जहां कृषि क्षेत्र में किसानों को बाकि राज्यों से अधिक सुविधाएं दी जा रही है। नई योजनाएं लाकर किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का काम सरकार कर रही है। लेकिन वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती खेती में रासायनिक तत्वों व कीटनाशकों का सिफारिश से अधिक छिड़काव करना है, जिससे अनेक प्रकार की बीमारियां हमें घेर रही है। इसके लिए मेरी किसानों से अपील है कि वे खेती में गाय के गोबर का इस्तेमाल करें। इसके लिए किसान को डीबीटी के माध्यम से 25 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह विचार हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहे, जो चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेले में बतौर मुख्यातिथि के रूप में मौजूद थे। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा में अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं कुलपति, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल आईएएस डॉ. सुमिता मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने की।

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने बताया कि सरकार की तरफ से बाजरा, ज्वार व अन्य मिलेट पर भी अधिक ध्यान दिया जा रहा है ताकि इनसे बने स्वादिष्ट व पौष्टिक व्यंजनों का स्वाद आमजन स्वाद सके और साथ ही उनकेस्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक हो। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़ इत्यादि से फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। इससे निपटने के लिए सरकार ने इस बार 1200 करोड़ रुपये का बजट भी तैयार किया है। साथ ही खारा पानी की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने 7 से 8 प्रतिशत भूमि पर कल्लर भूमि को खेतीबाड़ी से जोड़ने का काम भी किया है। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए किसानों के समूह तैयार किए जा रहे है, ताकि किसान अपने उत्पादों को गुरुग्राम, जैसे महानगरों की मार्केट में बेचकर लाभ कमा सके। उन्होंने कहा कि मेले में किसान कृषि से जुड़ी समस्याओं का हल पाने के लिए सीधे तौर पर कृषि वैज्ञानिकों से संवाद कर सकेंगे।

लाखों एकड़ सेमग्रस्त भूमि को बनाया जाएगा कृषि योग्य

प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहा है कि खेती को किसी भी कीमत पर घाटे का सौदा नहीं बनने दिया जाएगा। हरियाणा में लाखों एकड़ सेमग्रस्त भूमि को कृषि योग्य बनाया जाएगा, इसके लिए 1200 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए है। वहीं दूसरी और मानसून के दौरान खेतों में जमा होने वाले वाले पानी को निकासी कर जोहड़ों व ड्रेनों में डाला जा रहा है ताकि खेतों में बाढ़ की स्थिति न बने और किसान की फसल बर्बाद न हो। इसी प्रकार नए-नए उत्तम किस्म के बीज व खाद किसानों को मुहैया करवाए जा रहे है। फसल व मुआवजे का पैसा किसानों के खाते में सीधा डाला जा रहा है। किसान की भरपाई के लिए ही भावांतर भरपाई योजना शुरू की है। 15 मार्च से एमएसपी पर सरसों की खरीद शुरू हो जाएगी, जिसके लिए हैफेड को निर्देश दे दिए गए है ताकि सरसों के भाव में आ रही गिरावट को रोका जा सके।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अध्यक्षीय भाषण में कृषि में प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध हो रहे दोहन पर चिंता जताई। साथ ही किसानों को कृषि उत्पादन के साथ इनकी गुणवत्ता सुधारने पर जोर देने को कहा। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादों की गुणवत्ता के आधार पर किसान अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन्हें बेचकर अच्छी आमदनी हासिल कर सके। उन्होंने किसानों को नवाचार अपनाते हुए समेकित कृषि प्रणाली जिसमें कृषि के साथ-साथ अन्य उद्यम जैसे मधुमक्खी, मशरूम, बागवानी, सब्जी उत्पादन, वानिकी फसल, चारा फसल, पशुपालन व मत्स्य पालन को शामिल करके कृषि को लाभदायक व्यवसाय बनाने की सलाह दी। कुलपति ने बताया कि 2023 को मोटे अनाज के तौर पर मनाया जा रहा है। इस कड़ी में विश्वविद्यालय ने हाल ही में बाजरे की बायो-फोर्टिफाइड किस्में विकसित की है, जोकि लौह तत्व व जिंक से भरपूर है व आमजन को विभिन्न बीमारियों व कुपोषण से निजात दिलाएंगी।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा में अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि इस मेले में विशेष तौर पर किसानों को ड्रोन, प्राकृतिक खेती व मिलेट फसलों के उत्पादन से जुड़ी तकनीक के बारे में जागरूक किया जाएगा। डॉ. मिश्रा ने बताया कि जैविक कार्बन बढ़ाकर मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए ढैंचा को हरी खाद के रूप में उगाने का 6 लाख एकड़ का लक्ष्य है, जिसके लिए कृषि विभाग 75 फीसदी अनुदान पर ढैंचा, बीज किसानों को उपलब्ध करवाएगा। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। किसानों के बढ़ते रूझान को देखते हुए आने वाले खरीफ सीजन में भी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 20 हजार एकड़ का लक्ष्य रखा है।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों व कृषि विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों का मुख्य अतिथि सहित अन्य अधिकारियों ने अवलोकन भी किया। अंत में लक्की ड्रा द्वारा 3 किसानों को इनाम दिए गए, जिनमें प्रथम इनाम हिसार के मलकोढ़ा निवासी विरेंद्र सिंह, द्वितीय पुरस्कार सालमेड़ कलां निवासी सुनील व तृतीय पुरस्कार अम्बाला के गांव भूड़ माजरी निवासी मुकेश को मिला। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, फतेहाबाद के विधायक दुड़ाराम, हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक मुकेश आहुजा, जिला परिषद के चेयरमैन, भिवानी अनिता मलिक, जिला परिषद के चेयरमैन, डाटा के सोनू सिवाच व सेना प्रशासक जगदीप सिंह भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	10.03.2023	-------	--------

लाखों एकड़ सेमग्रस्त भूमि को बनाया जाएगा कृषि योग्य : कृषि मंत्री जेपी दलाल

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने किया किसान मेले का शुभारंभ

हिसार, प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहा है कि खेती को किसी भी कीमत पर घाटे का सौदा नहीं बनने दिया जाएगा। हरियाणा में लाखों एकड़ सेमग्रस्त भूमि को कृषि योग्य बनाया जाएगा, इसके लिए 1200 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। वहीं दूसरी ओर मानसून के दौरान खेतों में जमा होने वाले खारे पानी की निकासी कर जोहड़ों व ड्रेनों में डाला जा रहा है ताकि खेतों में बाढ़ की स्थिति न बने और किसान की फसल बर्बाद न हो। इसी प्रकार नए-नए उत्तम किस्म के बीज व खाद किसानों को मुहैया करवाए जा रहे हैं। फसल व मुआवजे का पैसा किसानों के खाते में सीधा डाला जा रहा है। किसान की भरपाई के लिए ही भावांतर भरपाई योजना शुरू की है। 15 मार्च से एमएसपी पर सरसों की खरीद शुरू हो जाएगी, जिसके लिए हैफेड को निर्देश दे दिए गए हैं ताकि सरसों के भाव में आ रही गिरावट को रोका जा सके। उन्होंने किसानों से मौटे अनाज के साथ-साथ प्राकृतिक व गाय के गोबर से बनी खाद पर आधारित खेती करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश का किसान व आमजन ही असली मालिक है, चुने हुए प्रतिनिधि व अधिकारी जनता के सेवक हैं।

कृषि मंत्री जेपी दलाल शुक्रवार को चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य-अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मेले में प्रतिदिन ड्रा निकाले जाएंगे, जिसमें कुल 297 प्रगतिशील किसानों को एक करोड़ 60 लाख रुपए के पुरस्कार दिए जाएंगे। इस दौरान कृषि मंत्री श्री दलाल, राज्यसभा सांसद डीपी वत्स और कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा व कृषि विभाग के महानिदेशक डॉ एनएच बांगड़ ने तीन ड्रा निकाले और विजेता किसानों को मिनी ट्रैक्टर व कृषि उपकरण भेंट किए।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा ने कहा कि किसानों का ज्ञान बढ़ाने के लिए किसान मेले को व्यापक स्वरूप प्रदान किया है। मेले में कृषि विशेषज्ञों द्वारा किसानों को नई नई जानकारी दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि किसानों की आय को बढ़ाने के लिए ही कृषि यंत्रों, खाद व बीज पर सब्सिडी दी जा रही है। कृषि उपकरण मुहैया करवाने के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की हर समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान ही हरियाणा की आत्मा है।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बीआर कंबोज ने कहा कि उनका प्रयास है खेती में विश्व स्तर पर होने वाली नई खोज को किसानों तक पहुंचाया जाए।

किसानों से किया प्राकृतिक खेती करने का आह्वान
प्रदेश में 15 मार्च से शुरु की जाएगी सरसों की खरीद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	11.03.2023	-------	--------

कृषि विकास मेले में किसानों ने ली नवीनतम खाद-बीज व सयंत्रों की जानकारी

हिसार, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय कृषि विकास मेला किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। मेले के पहले दिन हजारों की संख्या में किसान पहुंचे और यहां लगाई गई स्टॉलों पर नए-नए कृषि उपकरणों के साथ-साथ खाद-बीज व पौध की जानकारी ली। प्रत्येक स्टॉल पर किसानों की भीड़ लगी दिखाई दी। मेले में कृषि एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल ने अवलोकन किया।

कृषि विकास मेले में उद्योग विभाग, कृषि विभाग, बागवानी विभाग, हरियाणा राज्य सहकारी चीनी मिल, हरित स्टोर, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल, पशुपालन विभाग, इफको, हैफेड की स्टॉल के अलावा नवीनतम कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले में जानकारी लेने के लिए प्रथम दिन किसानों की खासी भीड़ उमड़ी। कृषि मेले में लगाई गई मोटे अनाज की एक स्टॉल बहुत ही आकर्षण का केंद्र रही। इस स्टॉल पर मोटे अनाज में शामिल बाजरा, कंगनी, जवार, कुटकी, रागी, शामक, कुट्टू, कोडो, छेना व राजगीर प्रदर्शित किया गया, जिसकी किसानों ने विस्तार जानकारी ली।

इसी प्रकार से इफको द्वारा लगाई गई स्टॉल पर किसानों ने नैनो यूरिया, सागरिका, संतुलित पशु आहार की जानकारी ली। हरियाणा राज्य बागवानी एजेंसी द्वारा लगाई गई स्टॉल पर किसानों ने विभिन्न कीटों की रोकथाम के लिए पर्यावरण के अनुकूल उपाय बताए गए। फाल्कन द्वारा लगाई स्टॉल पर किसानों ने कृषि ने बागवानी व लॉन उपकरण के बारे में जानकारी ली। यहां पर नए-नए उपकरण प्रदर्शित किए गए। किसानों ने मूंगफली, धान, मक्का आदि निकालने की मल्टी क्रॉप थ्रेसर की भी जानकारी हासिल की, जो कि मेले में प्रदर्शित की गई थी। कृषि विकास मेले में किसानों ने आलू व शिमला मिर्च की की उत्तम किस्मों की जानकारी ली। किसानों ने टमाटर बेल की पौध की भी जानकारी ली।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	10.03.2023	--------	---------

प्राकृतिक खेती व मोटा अनाज को बढ़ावा देने से रोजगार भी बढ़ेंगे : कृषि मंत्री जेपी दलाल

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 10 मार्च। हरियाणा एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जहां कृषि क्षेत्र में किसानों को बाकि राज्यों से अधिक सुविधाएं दी जा रही है। नई योजनाएं लाकर किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का काम सरकार कर रही है। लेकिन वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती खेती में रसायनिक तत्वों व कीटनाशकों का [illegible] से अधिक छिड़काव करना है, जिससे अनेक प्रकार की बीमारियां हमें घेर रही है। इसके लिए मेरी किसानों से अपील है कि वे खेती में गाय के गोबर का इस्तेमाल करें। इसके लिए किसान को डीबीटी के माध्यम से 25 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह विचार हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहे, जो चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेले में बतौर मुख्यातिथि के रूप में मौजूद थे। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा में अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं कुलपति, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल आईएएस डॉ. सुमिता मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने बताया कि सरकार की तरफ से बाजरा, ज्वार व अन्य मिलेट पर भी अधिक ध्यान दिया जा रहा है ताकि इनसे बने स्वादिष्ट व पौष्टिक व्यंजनों का स्वाद आमजन चख सकें और साथ ही इनके स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक हो। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़ इत्यादि से फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। इससे निपटने के लिए सरकार ने इस बार 1200 करोड़ रुपये का बजट भी तैयार किया है। साथ ही खारा पानी की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने 7 से 8 प्रतिशत भूमि पर खारा भूमि को बोरवेल से जोड़ने का काम भी किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

ने अध्यक्षीय भाषण में कृषि में प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध हो रहे दोहन पर चिंता जताई। साथ ही किसानों को कृषि उत्पादन के साथ इनकी गुणवत्ता सुधारने पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादों की गुणवत्ता के आधार पर किसान अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन्हें बेचकर अच्छी आमदनी हासिल कर सके। कुलपति ने बताया कि 2023 को मोटे अनाज के वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस कड़ी में विश्वविद्यालय ने हाल ही में बाजरे की बायो फोर्टिफाइड किस्में विकसित की है, जोकि लौह तत्व व जिंक से भरपूर है व आमजन को विभिन्न बीमारियों व कुपोषण से निजात दिलाएगी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा में अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि इस मेले में विशेष तौर पर किसानों को [illegible] प्राकृतिक खेती व मिलेट फसलों के उत्पादन से जुड़ी तकनीक के बारे में जागरूक किया जाएगा। डॉ. मिश्रा ने बताया कि जैविक कार्बन बढ़ाकर मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए ढैंचा को हरी खाद के रूप में उगाने का 6 लाख एकड़ का लक्ष्य है, जिसके लिए कृषि विभाग 75 प्रतिशत अनुदान पर ढैंचा बीज किसानों को उपलब्ध करवाएगा। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। किसानों के बढ़ते रुझान को देखते हुए आने वाले खरीफ सीजन में भी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 20 हजार एकड़ का लक्ष्य रखा है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों व कृषि विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों का मुख्य अतिथि सहित अन्य अधिकारियों ने अवलोकन भी किया। अंत में लक्की ड्रा द्वारा 3 किसानों को इनाम दिए गए, जिनमें प्रथम इनाम हिसार के प्रभुवाला निवासी विरेंद्र सिंह, द्वितीय पुरस्कार खानपुर कलां निवासी सुनील व तृतीय पुरस्कार अंबाला के गांव भूड़ माजरी निवासी मुकेश को मिला। इस दौरान कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में गान व गीत गाकर किसानों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डीपी वत्स, फतेहाबाद के विधायक दुड़ाराम, हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक मुकेश आहूजा, जिला परिषद के चेयरमैन [illegible], जिला परिषद के [illegible] राज्य के [illegible] व मेला प्रशासक जगदीप सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, जबकि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	11-03-23	5	1-6

नरमा व धान छोड़कर किसान बागवानी में दिखा रहे रूचि

अमरुद व सब्जी की बागवानी करने में लगे किसान, इस साल 301 हेक्टेयर में हुई बागवानी

कुलदीप जांगड़ा • हिसार

जिले में पिछले कुछ समय से बागवानी का दायरा बढ़ने लगा है। किसान अमरुद व सब्जी की बागवानी ज्यादा कर रहे हैं। बेर की भी बागवानी बढ़ी है। बेर की शुरू में पैदावार अच्छी थी, पर अब कम है। इस साल में 301 हेक्टेयर में बागवानी हुई है। इन दिनों किसान भी नरमा व धान की फसल को छोड़कर बागवानी में रूचि दिखा रहे हैं। इसमें खर्चा भी कम आता है और बीमारी का भी डर नहीं। यह किसानों की आय भी बढ़ा रहा है। बागवानी करने के बाद किसानों का फीडबैक भी अच्छा है और उनकी आय भी बढ़ी है। ऐसे में पड़ोसी किसान भी बागवानी करने की तैयारी में है। दिनोंदिन नरमा की फसल में बीमारियां ज्यादा आ रही है और इसमें खर्चा भी ज्यादा आता है। एक तरह से नरमा की खेती कम हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार हरियाणा की मिट्टी भी अमरुद के अनुकूल है। इसमें कम पानी की जरूरत है तो अमरुद की अच्छी पैदावार होती है। बागवानी को लेकर किसानों को एचसीआरआई हिसार में ट्रेनिंग दी जाती है, पर मधुमक्खी पालन की ट्रेनिंग के लिए किसानों को आईबीटीसी कुरुक्षेत्र जाना पड़ता है। बागवानी के इच्छुक किसान पहले उद्यान विभाग में आकर संपर्क करें और जानकारी जुटाएं। इसके बाद मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर फसल की बागवानी का पंजीकरण होना जरूरी है। इसके बाद बागवानी पोर्टल पर भी पंजीकरण जरूर करवाएं। इसके बाद ही किसान को बागवानी योजना का लाभ व अनुदान राशि मिलता है। इसके बाद बागवानी के लिए पानी का टैंक, छोटा ट्रैक्टर व अन्य लाभ मिलता है।

ट्रैक्टर के लिए किसान के पास कई एकड़ में बाग व चार साल पुराना बाग हो। एक किसान दस एकड़ तक बाग ले सकता है।

कृषि मेले में बागवानी के बारे में जानकारी देते हुए किसान। • जागरण

सर्दी की मार, फलों पर भारी

इस बार सर्दी की मार फलों की बागवानी पर भारी पड़ी है। अमरुद व किन्नू में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, क्योंकि ठंड की चपेट में आने के कारण फल उभर नहीं पाए। इसको लेकर किसानों की मांग पर उद्यान विभाग की ओर से सर्वे करवाया गया।

यह रखें ध्यान

उद्यान विकास अधिकारी बागवानी पर जसनदीप कौर ने बताया कि 43 हजार रुपये सब्सिडी तीन बार में किसान को मिलेगी। अगर कोई किसान धान छोड़कर बागवानी लगाता है तो उसे 50 हजार रुपये मिलेंगे। सब्जी पर 15 हजार रुपये सब्सिडी मिलती है।

छोटे जमींदारों के लिए बागवानी बेहतर

किसान बोले कि छोटे जमींदारों के लिए बागवानी बेहतर विकल्प है। वह इससे अपनी आय भी बढ़ा सकते हैं और एक साल में तीन से चार फसल ले सकते हैं। वरना धान व गेहूं को तैयार होने में छह-छह माह का समय लगता है। सब्जी से हर रोज पैसे आते हैं और उनका घर गुजारा चल सकता है।

बागवानी से किसानों की आय में बढ़ोतरी हुई है और किसान संतुष्ट भी है। इस बार हमारा बागवानी के लिए 398 हेक्टेयर का लक्ष्य था। - जसनदीप कौर, उद्यान विकास अधिकारी हिसार।

मैं फूल व सब्जी की बागवानी करने जा रहा हूं। इसमें आय ज्यादा है और आजकल ऐसा जरूरी भी है। दो एकड़ में पानी का टैंक व ड्रिप सिस्टम भी लिया है।

किसान रणजीत, राजपुर निवासी।

मेरे भाई धर्मवीर ने के पास तीन एकड़ में अमरुद व नींबू की बागवानी है। उनके बाग के अमरुद टाप है और अन्य से महंगे दामों में बिक रहे हैं। इनकी पैदावार अच्छी है। मैं भी बागवानी की तैयारी में हूं। - किसान रामबीर, बड़ाला निवासी।

हमारे यहां पर किन्नू, तरबूज/खरबूजा, खीरा, शहतूत व आंवला की बागवानी ज्यादा होती है। मैं यहां बागवानी की जानकारी लेने आया था। - किसान कुलदीप, बोबुआ निवासी।

हमारे पास ट्यूबवेल की एक-एक एकड़ में बागवानी है। जिनकी उतनी जमीन नहीं है वह जो छोटे जमींदार हैं उनके लिए अच्छी है।

किसान राजा व बलजीत सिंह, कुरुक्षेत्र के गुरु गांव निवासी।

1200 करोड़ से सेमग्रस्त भूमि बनेगी कृषि योग्य : कृषि मंत्री

जागरण संवाददाता, हिसार : प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री जेपी प्रकाश दलाल ने कहा है कि खेती को किसी भी कीमत पर घाटे का सौदा नहीं बनने दिया जाएगा। हरियाणा में लाखों एकड़ सेमग्रस्त भूमि को कृषि योग्य बनाया जाएगा, इसके लिए 1200 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं दूसरी ओर मानसून के दौरान खेतों में जमा होने वाले पानी की निकासी कर जोहड़ों व ड्रेनों में डाला जा रहा है ताकि खेतों में बाढ़ की स्थिति न बने और किसान की फसल बर्बाद न हो। इसी प्रकार नए-नए उत्तम किस्म के बीज व खाद किसानों को मुहैया करवाए जा रहे हैं। फसल व मुआवजे का पैसा किसानों के खाते में सीधा डाला जा रहा है। किसान की भलाई के लिए ही भावांतर भरपाई योजना शुरू की है। 15 मार्च से एमएसपी पर सरसों की खरीद शुरू हो जाएगी, जिसके लिए हैफेड को निर्देश दे दिए गए हैं ताकि सरसों के भाव में आ रही गिरावट को रोका जा सके। उन्होंने किसानों से मोटे अनाज के साथ-साथ प्राकृतिक व गाय के गोबर से बनी खाद पर आधारित खेती करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश का किसान व आमजन ही असली मालिक है, चुने हुए प्रतिनिधि व अधिकारी जनता के सेवक हैं।

कृषि मंत्री जेपी दलाल शुक्रवार को चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मेले में प्रतिदिन ड्रा निकाले जाएंगे, जिसमें कुल 297 प्रगतिशील किसानों को एक करोड़ 60 लाख रुपये के पुरस्कार दिए जाएंगे। इस दौरान कृषि मंत्री श्री दलाल, राज्यसभा सांसद डीपी वत्स और कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. सुमिता मिश्रा व कृषि विभाग के महानिदेशक डा. एनएस बोपाराय ने तीन ड्रा निकाले और विजेता किसानों को मिनी ट्रैक्टर व कृषि उपकरण भेंट किए।

कृषि मंत्री श्री दलाल ने कहा कि दादरी में भी 11 से 13 मार्च तक राज्य स्तरीय पशु मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें उत्तम नस्ल के पशु देखने को मिलेंगे। मेले में 60 लाख रुपये से भी अधिक के इनाम दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मेला ग्राउंड में आयोजित हरियाणा कृषि विकास मेले का अवलोकन करते कृषि मंत्री जेपी दलाल साथ में मौजूद राज्यसभा सदस्य डा. डीपी वत्स, विधायक गुप्ता, हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. सुमिता मिश्रा व कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज। • जागरण

मेले में गेहूं, गन्ना, कपास और मोटे अनाज की किस्में दिखाई

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय कृषि विकास मेला किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। मेले के पहले दिन हजारों की संख्या में किसान पहुंचे और यहां लगाई गई स्टालों पर नए-नए कृषि उपकरणों के साथ-साथ खाद-बीज व पौध की जानकारी ली। प्रत्येक स्टाल पर किसानों की भीड़ लगी दिखाई दी। मेले में कृषि एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल ने अवलोकन किया।

कृषि विकास मेले में उद्यान विभाग, कृषि विभाग, बागवानी विभाग, हरियाणा राज्य सहकारी चीनी मिल, हरहित स्टोर, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल, पशुपालन विभाग, इफको, हैफेड की स्टाल के अलावा नवीनतम कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले में जानकारी लेने के लिए प्रथम दिन किसानों की खासी भीड़ उमड़ी। कृषि मेले में लगाई गई मोटे अनाज की एक स्टाल बहुत ही आकर्षण का केंद्र रही। इस स्टाल पर मोटे अनाज में शामिल बाजरा, कंगनी, ज्वार, कुटकी, रागी, सामक, कुटू, कोदो, चीना व राजगीरा प्रदर्शित किए गए, जिसकी किसानों ने विस्तार जानकारी ली।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	11.03.23	9	2-7

कृषि मंत्री की किसानों से खेती में गाय के गोबर का इस्तेमाल करने की अपील

प्राकृतिक खेती और मोटे अनाज को बढ़ावा देने से बढ़ेगा रोजगार

कृषि विभाग तथा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला शुरू

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हिसार। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में पर्यावरण डॉ. सुमिता मिश्रा व अन्य अधिकारी।

हिसार। मेले को संबोधित करते कृषि मंत्री जेपी दलाल व स्टालों का अवलोकन करते कृषि मंत्री जेपी दलाल।

कृषि मंत्री कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि हरियाणा एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जहां कृषि क्षेत्र में किसानों को बाकि राज्यों से अधिक सुविधाएं दी जा रही है। नई योजनाएं लाकर किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का काम सरकार कर रही है। लेकिन वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती खेती में रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का [illegible] से अधिक [illegible] करना है, जिससे अनेक प्रकार की बीमारियां हमें घेर रही है। इसके लिए भी किसानों से अपील है कि वे खेती में गाय के गोबर का इस्तेमाल करें। इसके लिए किसान को डीबीटी के माध्यम से 25 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। कृषि मंत्री शुक्रवार को कृषि विभाग तथा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में [illegible] गेट नंबर 3 के सामने मेला ग्राउंड में शुरू हुए तीन दिवसीय हरियाणा कृषि किसान मेले में बतौर मुख्यातिथि [illegible] प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं कुलपति, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, [illegible]

स्टालों का भी किया अवलोकन: [illegible]

डॉ. सुमिता मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थी। [illegible]

प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन विनाशकारी

[illegible]

किसानों को ड्रोन के प्रति करेंगे जागरूक : डॉ. मिश्रा

[illegible]

धारा-144 लागू

[illegible]

तीन दिन चलेगा मेला : दिलबाग सिंह: [illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	11-03-23	2	1-8

किसान मोटे अनाज की खेती करें, हम विदेशों में निर्यात कराएंगे

एचएयू में आयोजित कृषि विकास मेले के पहले दिन 9449 किसानों ने कराया पंजीकरण, कृषि मंत्री जेपी दलाल ने किया संबोधित

किसान ही देश की असली ताकत : डॉ. वत्स

हरियाणा की आत्मा है किसान : डॉ. सुमिता

प्राकृतिक संसाधनों का करें संरक्षण : प्रो. कांबोज

अमर उजाला ब्यूरो

पंजाब से आए मंजीत सिंह ने किसानों को दिया हल्दी की खेती का ज्ञान

मेले में स्टॉल पर किसानों ने ली जानकारी

ड्रोन से फसलों पर छिड़काव करेंगे किसान

मंत्री का पारंपरिक ढंग से स्वागत

नैनो यूरिया के फायदे समझाए

महाबीर गुड्डू ने सुनाए पदमावत के किस्से